भारत और उसके पड़ोसी

प्रलिम्सि के लयि:

भारत और पड़ोसी देशों के साथ इसकी सीमा, वदिश नीत, गुजराल सद्धिांत

मेन्स के लयि:

अपने पड़ोसयिों के साथ भारत के संबंध, पड़ोसयिों के साथ भारत की पहल और समझौते, 'नेबरहुड फर्स्ट' नीतमें व्याप्त चुनौतयिाँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय वदिश मंत्री ने मालदीव के राष्ट्रपतसि मुलाकात की और कहा क**भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीतऔर मालदीव की 'इंडिया फर्स्ट'** नीतविशिष साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए एक-दूसरे की पूरक है।

भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीत:

- **परचिय:**
  - अपनी '**नेबरहुड फर्स्ट**' नीतकि तहत भारत अपने सभी पड़ोसयिों के साथ **मैत्रीपूर्ण और पारस्परकि रूप से लाभप्रद संबंध** वकिसति करने के लयि प्रतबिद्ध है।
    - भारत एक **सक्रयि वकिास भागीदार** है और इन देशों में कई परयिोजनाओं में शामलि है।
  - भारत की **'नेबरहुड फर्स्ट'** नीतसि्थरिता और समृद्धकि लयि पारस्परकि रूप से **लाभप्रद, जन-उन्मुख, क्षेत्रीय ढाँचे** के नरि्माण पर केंद्रति है।
  - इन देशों के साथ भारत का जुड़ाव एक **परामर्शी, गैर-पारस्परकि और परणिाम-उन्मुख दृष्टकिोण** पर आधारति है, जो अधकि-से-अधकि कनेक्टविटिी, बेहतर बुनयिादी ढाँचे, वभिन्नि क्षेत्रों में मज़बूत वकिास सहयोग, सुरक्षा और व्यापक जन-समूह संपर्क जैसे लाभ प्रदान करने पर केंद्रति है।
- **उद्देश्य:**
  - **कनेक्टविटिी:**
    - भारत ने दक्षणि एशयिाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (SAARC) के सदस्यों के साथ **समझौता ज्ञापन** पर हस्ताक्षर कयि हैं।
    - ये समझौते सीमा पार **संसाधनों, ऊर्जा, माल, श्रम और सूचना के मुक्त प्रवाह** को सुनश्चिति करते हैं।
  - **पड़ोसयिों के साथ संबंधों में सुधार:**
    - पड़ोसयिों के साथ **संबंधों में सुधार** करना भारत की प्राथमकिताओं में शामलि है, क्योंकवकिास के एजेंडे को साकार करने के लयि **दक्षणि एशयिा में शांतऔर सहयोग** आवश्यक है।
  - **वार्ता:**
    - यह पड़ोसी देशों के साथ **संबंध** स्थापति कर और **वार्ताओं** के माध्यम से राजनीतकि संपर्क का नरि्माण करके **क्षेत्रीय कूटनीत** पर ध्यान केंद्रति करता है।
  - **आर्थकि सहयोग:**
    - यह पड़ोसयिों के साथ **व्यापार संबंधों को बढ़ाने** पर केंद्रति है।
      - भारत ने इस क्षेत्र में **वकिास के उद्देश्य से SAARC सम्मेलनों** में भाग लयि तथा इसके सदस्य देशों की ढाँचागत परयिोजनाओं में नविश कयि है।
    - उदाहरण के तौर पर बांग्लादेश-भूटान-भारत-नेपाल (BBIN) मोटर वाहन समझौते (MVA) ,जल शक्तप्रिबंधन और इंटर-ग्रडि कनेक्टविटिी में भारत की भागीदारी को देखा जा सकता है।
  - **आपदा प्रबंधन:**
    - यह नीतआपदा प्रतक्रियिा, संसाधन प्रबंधन, मौसम पूर्वानुमान और संचार पर सहयोग करने तथा **सभी दक्षणि एशयिाई नागरकिों के लयि आपदा प्रबंधन में क्षमताओं और वशिषज्ञता** पर भी ध्यान केंद्रति करती है।
  - **सैन्य और रक्षा सहयोग:**
    - भारत वभिन्नि रक्षा अभ्यासों के आयोजन में भाग लेकर सैन्य सहयोग के माध्यम से क्षेत्र में सुरक्षा सुनश्चिति करने पर भी

ध्यान केंद्रति कर रहा है।

पड़ोसियों के साथ भारत के संबंध:

- **भारत-मालदीव:**
  - **सुरक्षा साझेदारी:**
    - हाल ही में भारत के विदेश मंत्री ने मालदीव की अपनी दो दविसीय यात्रा के दौरान**नेशनल कॉलेज फॉर पुलसिगि एंड लॉ एनफोर्समेंट (NCPLE)** का उद्घाटन कयिा था।.
  - **पुनर्सुधार केंद्र:**
    - ‘**अड्डू रक्लिेमेशन एंड शोर प्रोटेक्शन प्रोजेक्ट**’ (Addu Reclamation and Shore Protection Project) हेतु 80 मलियिन अमेरिकी डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर कयि गए हैं।
    - अड्डू में एक ‘**ड्रग डटिॉक्सफिकिेशन एंड रहैबिलिटेशन सेंटर**’ (Drug Detoxification And Rehabilitation Centre) का नर्मिाण भारत की मदद से कयिा गया है।
      - यह सेंटर/केंद्र **स्वास्थ्य**, **शक्षिा**, **मत्स्यपालन**, **पर्यटन**, **खेल** और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में भारत द्वारा कार्यान्वति की जा रही 20 उच्च प्रभाव वाली सामुदायकि वकिास परयिोजनाओं में से एक है।
  - **आर्थकि सहयोग:**
    - पर्यटन, मालदीव की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। वर्तमान में मालदीव कुछ भारतीयों के लयि एक प्रमुख पर्यटन स्थल है और कई भारतीय वहाँ रोज़गार के लयि जाते हैं।
    - अगस्त 2021 में एक भारतीय कंपनी, ‘**एफकॉन**’ (Afcons) ने मालदीव में अब तक की सबसे बड़ी बुनयिादी अवसंरचना परयिोजना- **ग्रेटर मेल कनेक्टविटिी प्रोजेक्ट (GMCP)** हेतु एक अनुबंध पर हस्ताक्षर कयि थे।
- **भारत - भूटान:**
  - **भारत-भूटान शांति और मत्रिता संधि, 1949:**
    - यह संधि अन्य बातों के अलावा स्थायी शांति तथा मत्रिता, **मुक्त व्यापार** तथा **वाणज्यि** और एक-दूसरे के नागरकिों को समान न्याय प्रदान करने पर ज़ोर देती है।
      - इस संधि को वर्ष 2007 में संशोधति कयिा गया, जसिमें भारत द्वारा भूटान को अपनी स्वतंत्र वदिेश नीति नर्धिारति करने के लयि प्रेरति कयिा गया।
  - **जलवद्यिुत सहयोग:**
    - यह वर्ष 2006 के **जलवद्यिुत सहयोग** समझौते के अंतर्गत आता है।
      - इस समझौते के एक प्रोटोकॉल के तहत भारत ने वर्ष 2020 तक भूटान को न्यूनतम 10,000 मेगावाट जलवद्यिुत के वकिास एवं उसी से अधशिेष बजिली आयात करने पर सहमति व्यक्त की है।
  - **आर्थकि सहायता:**
    - भारत, भूटान के वकिास में प्रमुख भागीदार देश है।
    - वर्ष 1961 में भूटान की पहली पंचवर्षीय योजना (FYP) के शुभारंभ के बाद से भारत, भूटान की FYPs के लयि वत्तिीय सहायता प्रदान कर रहा है।
    - भारत ने भूटान की 12वीं पंचवर्षीय योजना (वर्ष 2018-23) के लयि 4500 करोड़ रुपये प्रदान कयि हैं।
- **भारत - नेपाल:**
  - **उच्च स्तरीय दौरा:**
    - हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने बुद्ध की जन्मस्थली लुंबनिी, नेपाल का दौरा कयिा , जहाँ उन्होंने भारतीय सहायता से बनाए जा रहे बौद्ध वहिार की नेपाली प्रधानमंत्री के साथ आधारशलिा रखी।
  - **वर्ष 1950 की शांति और मत्रिता की संधि:**
    - संधि दोनों देशों में नविास, संपत्ति, व्यापार और आवाज़ाही के लयि भारतीय और नेपाली नागरकिों के पारस्परकि व्यवहार के बारे में बात करती है।
      - यह भारतीय और नेपाली दोनों व्यवसायों के लयि राष्ट्रीय व्यवहार भी स्थापति करता है (अर्थात्- एक बार आयात कयि जाने के बाद वदिेशी वस्तुओं को घरेलू सामानों से अलग नहीं माना जाएगा)।
  - **जल वद्यिुत परयिोजनाएँ:**
    - दोनों देशों ने 490.2 मेगावाट के अरुण-4 जलवद्यिुत परयिोजना के वकिास और कार्यान्वयन के लयि सतलुज जल वद्यिुत नगिम (एसजेवीएन) लमिटिेड और नेपाल वद्यिुत प्राधकिरण (एनईए) के बीच पाँच समझौतों पर हस्ताक्षर कयि।
      - नेपाल ने भारतीय कंपनयिों को नेपाल में पश्चमि सेती जलवद्यिुत परयिोजना में नविेश करने के लयि भी आमंत्रति कयिा।
- **भारत - श्रीलंका:**
  - **हाइब्रडि पावर:**
    - भारत और श्रीलंका ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कयि, जसिने भारत को जाफना के**तीन द्वीपों (नैनातवि, डेल्फ्ट या नेदुन्थीवु, और एनालाइटवि)** में हाइब्रडि वद्यिुत परयिोजनाएँ स्थापति करने की सुवधिा प्रदान की।
  - **समुद्री बचाव समन्वय केंद्र:**
    - भारत और श्रीलंका एक **समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (MRCC)** स्थापति करने पर भी सहमत हुए हैं, जो पड़ोसयिों के बीच अधकि रक्षा क्षेत्र सहयोग का संकेत देता है।
  - **'एकात्मक डजिटिल पहचान फ्रेमवर्क'**
    - भारत ने श्रीलंका को 'एकात्मक डजिटिल पहचान फ्रेमवर्क' को लागू करने के लयि अनुदान प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की है, जो मुख्य तौर पर ‘आधार कार्ड’ प्रणाली पर आधारति है।

- ‘एकात्मक डिजिटिल पहचान फ्रेमवर्क’ भारत की ‘आधार’ प्रणाली के समान है और इसके तहत श्रीलंका निम्नलिखिति को प्रस्तुत करेगा:
    - बायोमेट्रिकि डेटा पर आधारति व्यक्तगित पहचान सत्यापन उपकरण।
    - डिजिटिल उपकरण, जो साइबर स्पेस में व्यक्तियों की पहचान करते हों।
    - ‘व्यक्तगित पहचान’ प्रणाली, जिसि दो उपकरणों के संयोजन से डिजिटिल एवं भौतिकि वातावरण में सटीक रूप से सत्यापति किया जा सकता है।

भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के समक्ष चुनौतियाँ :

- **चीन का बढ़ता दबाव:**
    - यह एक सार्थक कदम उठा पाने में विफिल रहा तथा बढ़ते चीनी दबाव ने देश को इस क्षेत्र में सहयोगी बनने से रोक दिया है।
        - समुद्री मोर्चे पर चीन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है।
- **घरेलू मामलों में हस्तक्षेप:**
    - भारत पड़ोसी देशों खासकर नेपाल के **घरेलू मामलों में उनकी संप्रभुता के उल्लंघन में दखल दे** रहा है।
        - भारत नेपाल के भीतर और बाहर **मुक्त पारगमन और मुक्त व्यापार में भी बाधा उत्पन्न** कर रहा है तथा **लोगों और सरकार पर दबाव बनाता रहता है।**
- **भारत की घरेलू राजनीति का प्रभाव:**
    - भारत की घरेलू नीतियाँ मुस्लमि बहुल देश बांग्लादेश में समस्याएँ पैदा कर रही हैं, यह दर्शाती है कि भारत की पड़ोस पहले की नीति बांग्लादेश जैसे मित्रि क्षेत्रों में भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है।
- **पश्चिमी देशों की ओर भारत के झुकाव का प्रभाव:**
    - भारत विशिष रूप से **क्वाड** और **अन्य बहुपक्षीय और लघु-पार्श्व पहलों के माध्यम से पश्चिमि के** करीब आता है।
        - लेकिन पश्चिमि के साथ श्रीलंका के संबंध अच्छी दिशा में नहीं बढ़ रहे हैं क्योंकि देश की वर्तमान सरकार को **मानवाधिकारों** के मुद्दों और स्वतंत्रता पर पश्चिमी राजधानियों/देशों से बढ़ती आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

आगे की राह

- भारत की **पड़ोस नीति गुजराल सदि्धांत पर आधारति होनी चाहिये।**
    - इससे यह सुनश्चिति होगा कि भारत के कद और ताकत को उसके पड़ोसियों के साथ उसके संबंधों की गुणवत्ता से अलग नहीं किया जा सकता है क्योंकि इससे क्षेत्रीय विकास संभव हो पाता है।
- भारत की क्षेत्रीय आर्थिकि और **विदेश नीति** को एकीकृत करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।
    - इसलिये भारत को छोटे आर्थिकि हितों के लिये **पड़ोसियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों से समझौता करने का विरोध करना चाहिये।**
- **क्षेत्रीय संपर्क को अधिकि मज़बूती** के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिये जबकि **सुरक्षा चिंताओं को लागत प्रभावी, कुशल और विश्वसनीय तकनीकी उपायों के माध्यम से संबोधित किया जाता है** जो दुनिया के अन्य हिस्सों में उपयोग में हैं।

यूपीएससी सिविलि सेवा परीक्षा विगत वर्षों के प्रश्न (पीवाईक्यू)

प्रश्न. "चीन एशिया में संभावति सैन्य शक्ति स्थिति विकिसति करने के लिये अपने आर्थिकि संबंधों और सकारात्मक व्यापार अधिशेष का उपयोग उपकरण के रूप में कर रहा है"। इस कथन के आलोक में भारत पर उसके पड़ोसी देश के रूप में इसके प्रभाव की चर्चा कीजिये। (मुख्य परीक्षा, 2017)

स्रोत: इंडियिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-its-neighbourhood